आंध्रप्रदेश के समुद्री मात्स्यिकी स्त्रोत - एक पर्यावलोकन

प्रतिभा रोहित, एम.चन्द्रशेकर, इ.तातैया, टी.दंढपाणी, आर.वी.डी.प्राभाकर, एन.बुरैया, पि.वि.रम्मंणा

केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान का विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केंद्र,
पांडुरंगपुरम, विशाखपट्टणम, आंध्रप्रदेश

आंध्रप्रदेश का 974 किलोमीटर लंबा तटीय इलाका और 33,227 किलोमीटर का कौंटीनेंनटल शेल्फ के साथ नौ जिलों में फैला है. इस तट में मात्स्यिकी का भरपूर स्त्रोत है जिसमें कई प्रकार के मत्स्य, क्रस्टेशियन्स, मोलस्क और अन्य समुद्री जीव शामिल हैं. समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र में आंध्रप्रदेश अपने अच्छे मत्स्यन इलाका, विविध स्त्रोत, भिन्न क्राफट और गिअर, उच्च एंटरप्रीनयूरशिप, उपलब्ध स्त्रोतों का शोषण कर नए प्रौद्योगिकियाँ और यह क्षेत्र राज्य में रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्य में 2003 - 2007 के दौरान वार्षिक कुल समुद्री अवतरण 1,59, 677 से 2,19,095 के बीच रहा और औसत अवतरण 1,96,086 था जो कि राज्य के कुल मत्स्य अवतरण का 7.2 % था। सालों से समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र ने कई विकासात्मक और प्रौद्योगिकीय बदलाव देखे जिससे मत्स्य का उत्पादन और उपयोग बढा।

राज्य का मात्स्यिकी उत्पादन सालों में उतार चढाव देखा लेकिन एक विकास नजर आता है। इस इलाके के मात्स्यिकी में फिन मत्स्य (84.5%) और क्रस्टेशियन्स (14.5%) प्रमुख ग्रूप हैं जो कि इस इलाके के मात्स्यिकी में सहयोग देते हैं. मोलस्क, टर्टल, मामल और अन्य ग्रूप नगण्य थे। फिन मत्स्यों में पेलाजिक ग्रप ज्यादा मात्रा में दिखाई दिए और कुल पकड में 56.7 % था इसके बाद डीमेरसल फिन मत्स्य था जो 25.5 % था। सारडीन, मैकरल, रिबन मत्स्य, करांजिड्स, सीरमत्स्य और एककोविस प्रमुख पेलाजिक थे जो आंध्रप्रदेश के तट में अवतरित हुए। यह संपदाएँ राज्य के पकड में सहयोग ही नहीं दिया बल्कि भारत के पकड में महत्वपूर्ण भाग होता है। आंध्रप्रदेश के तट में खासकर विशाखपटणम तट में प्राप्त महत्वपूर्ण मात्स्यिकी रिसोर्स ट्यूना हैं। ट्यूना के जो भिन्न जाति मात्स्यिकी में सहयोग देते हैंउनमें एल्लो फिन महत्वपूर्ण हैं. क्यों कि यह एक उभरता संपदा है इसका अभी तक पूरे तरीके से पकडा नहीं गया है और आंध्रप्रदेश के कुल मत्स्य पकड में माइनर कंपोनेंट बनता है। इन समुदी ट्यूनाओं को पकडने के लिए टारगेटेड मत्स्य तैयार है इसकी सहयोग कुल मत्स्य इलाके के पकड के लिए आनेवाले सालों में कई गुना बढेगा। डीमरसल ग्रूप में, क्रोकर, परचस, सिल्वर बेल्लीस, केटमत्स्य और रे शामिल है. क्रस्टेशिन के बाद पीनीड झींगा, कर्कट और नोन पीनीड झींगा शामिल है। आंध्र के समुद्री मात्स्यिकी में झींगा हमेश प्रमुख होता है और यह राज्य के राजस्व में प्रमुख होता है। हालांकि पेलाजिक मत्स्य जैसे सारडीन और मेकरल की बढौती हुई है लेकिन समुद्री क्षेत्र में राजस्व दिलानेवाला प्रमुख मत्स्य झींगा ही है।

मत्स्यन के लिए उपयोग क्राफट बडे और छोटे यंत्रीकृत ट्रालर हैं और कई पारंपरिक क्राफट जैसे काटामरान, मसूला बोट और नाव शामिल हैं। क्राफट के निर्माण में प्रौद्योगिकीय सुधार में बडे क्राफटों के लिए स्टील का उपयोग है और इसी प्रकार के पारंपरिक क्राफट के बदले में फाइबर ग्लास का उपयोग हो रहा है। राज्य के रिच तटीय और ओफशोर समुद्री संपदाओं को हारवेस्ट करने के लिए कई प्रकार के गिअरों का उपयोग होता है। जो गिअर उपयोग किए जा रहे हैं उनमें साधारण कास्ट जाल से लेकर बडे

सीन्स और ट्राल का उपयोग शामिल हैं। आंध्रप्रदेश में तटीय, ओफशोर और समुद्री मत्स्यों के लिए लाइन मात्स्यिकी बहुत ही सक्रिय है। इनका प्रचालन छोटे गैरयंत्रीकृत क्राफट से या यंत्रीकृत क्राफट से या छोटे या बडे यंत्रीकृत क्राफट से होता है। यह प्रचालन का इलाका, टारगेट किए गए रिसोर्स और मत्स्य के दाम के आधार पर होता है। यंत्रीकृत, मोटरीकृत और गैर यंत्रीकृत क्षेत्र औसत रूप में 42.1 % 23.3% और 34.6% क्रमशः राज्य के कुल समुद्री उत्पादों में सहायोग देता है।

आंध्रप्रदेश के तट में वाणिज्यपरक मत्स्यन के लिए प्रचालित गिअर को विस्तृत रूप में इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है, ट्राल, सीन, गिलजाल और हुक और लाईन। प्रमुख सहयोग दिया था ट्राल (40.7 %), गिलजाल (31.7 %) और सीन्स (23.8%) और हुक और लाइन (3.8%)। जबकि ट्राल से सभी दल के फिन मत्स्य और मोलस्क मिलते हैं सीन और गिल जालों में मुख्यतः पेलाजिक और क्रस्टेशियन्स मिलते हैं। हुक और लाईन से स्कोमब्रोयडस (ट्यूना और सुरमई), पथरीला मत्स्य जैसे स्नापर, करांजिड्स और उडते मत्स्य प्राप्त होते हैं।

आंध्र के तट में सालभर में मत्स्यन होता है। हालांकि विभिन्न गिअरों द्वारा मौसमी ट्रेंड देखा जा सकता है। यही नहीं मात्स्यिकी को संरक्षित करने के उददेश्य से अप्रेल के आधे से पूरे मई तक 45 दिनों तक मत्स्यन पर रोक लगा दी जाती है। पारंपरिक क्राफट जो गिल जाल, सीन और लाईन मत्स्य का प्रचालन पूरे साल में करते हैं। जब तूफान की चेतावनी है तब सरकार द्वारा मछुवारों को समुद्र मे जाने से मना किया जाता है। वार्षिक रूप में देखें तो नवंबर से जनवरी के दौरान ज्यादा मत्स्यन होता है जब कुल पकड 34.3 % होता है। क्षेत्र के समुदी मात्स्यिकी में यंत्रीकृत क्षेत्र ज्यादा सहयोग देता है और अप्रेल मई का महीना में कम जब मत्स्यन पर रोक लगा दी जाती है। इस अवधि के दोरान कुल पकड केवल 7.3 % होता है।

लंबा तटीय इलाका 129, 246 मछुवारो की परिवारों की सहायता करता है जो कि 498 तटीय गांवों में फैला है। 271 अवतरण केंद्रों में समुद्री मत्स्यों का अवतरण होता है। इनमे विशाखपटणम तट में, बाहरी बंदरगाह में, और काकिनाडा बंदरगाहह राज्य के प्रमुख मत्स्य अवतरण केंद्र हैं। दोनों बंदरगाहों में क्राफट के बर्थिंग के लिए और मत्स्य के हैंडलिंग के लिए जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यही नहीं माइनर बीच अवतरण केंद्र भी प्रमुख भूमिका निभाती है क्यांकि ये गैर यंत्रीकृत और मोटरीकृत क्राफट की जरूरतों को पूरा करता है जो कि राज्य के कुल समुदी मत्स्य अवतरण में सहयोग देता है। नीचे दी गई सूची में आंध्रप्रदेश में वाणिज्य परक रूप में प्रमुख समुद्री जातियाँ, उनका स्थानीय नाम और उपयोग किए जानेवाले प्रमुख गिअर की जानकारी दी गई है।

सुरमई

तारलि

टंग सोल

फीतामीन

सं.	सधारन नाम	तकनीकी नाम	तेलुगु नाम	संभारों
1	टैगर झींगा	*पेनिअस मोनोडॉन*	कटला रोय्या	आनाय जाल, क्लोमजाल
2	इंडियन वइट झींगा	*पेनिअस इंडिकस*	गाजु रोय्या	आनाय जाल, क्लोमजाल
3	स्पेक्ल्ड झींगा	*मेटापेनिअस मोनोसेरोस*	चाकू रोय्या	आनाय जाल, क्लोमजाल
4	फ्लावर टेल झींगा	*मेटापेनिअस डोबसोनि*	चिंकू रोय्या	आनाय जाल, क्लोमजाल
5	तटि मड झींगा	*सोलिनोसेरा जाति*	कुक्का रोय्या	आनाय जाल
6	पेस्ट झींगा	*असिटस जाति*	कूनी रोय्या	आनाय जाल
7	स्पैडर झींगा	*नेमाटोपलेयमोन जाति.*	चिंगिडी रोय्या	आनाय जाल
8	स्क्विड	*लोलिगो डुवासेली*	कोमती संचुलु	आनायजाल
9	कट्टलफिश	*सेपिया जाति*	कंदावालु	आनायजाल
10	मड केकडा	*सिल्ला सेरेटा*	मंदा पीता	आनायजाल
11	रेटिकुलेट केकडा	*पोर्ट्नस पेलाजिकस*	जीलै पीता	आनायजाल, क्लोमजाल
12	स्पोटेड केकडा	*पोर्ट्नस सांग्विनोलेन्टस*	चुक्काला पीता	आनायजाल, क्लोमजाल
13	सेंड लोब्सटर	*थीनस ओरिएनटालिस*		आनायजाल
14	सुरा	*कारकारियस मीलनोप्टीरस*	सोर्रा चेपा	आनायजाल, क्लोमजाल, कांटा डोर
15	स्केट्स	*अक्टोमाइलाकस माक्युलेटस*	गेद्दा टेकु	आनायजाल, क्लोमजाल, कांटा डोर
16	केंगर ईल	*मोरेनोस्क्स सिनिरियस*	पामू चेपा	आनायजाल, क्लोमजाल, कांटा डोर
17	शिंगटी	*एरियस थालासिनस*	जेल्ला	आनायजाल, क्लोमजाल, कांटा डोर
18	शिंगटी	*एरियस टेन्युस्पिनिस*	जेल्ला	आनायजाल, क्लोमजाल, कांटा डोर
19	तुम्बिल	*सॉरिडा अंडोस्क्वामिस*	बडेमाट्टालु	आनायजाल
20	तुम्बिल	*सॉरिडा तुम्बिल*	बडेमाट्टालु	आनायजाल
21	तारलि	*सारडिनेल्ला लोंगिसेप्स*	केरला कवल्लू	आनायजाल, क्लोमजाल
22	तारलि	*सारडिनेल्ला गिब्बोसा*	कवल्लू	आनायजाल, क्लोमजाल
23	तारलि	*सारडिनेल्ला फिम्ब्रिएटा*	कवल्लू	आनायजाल, क्लोमजाल
24	गोटफिश	*यूपेनियस विट्टाटस*	चारा गुलिविनदालू	आनायजाल, क्लोमजाल
25	गोटफिश	*यूपेनियस सल्फूरियस*	पसुपु चारा गुलिविनदालू	आनायजाल, क्लोमजाल
26	करांजिड्स	*डेकेपटिरस जाति*	पिल्लदुगु	आनायजाल
27	सूत्रपखब्रीम	*नेमिप्टीरस जाति*	येरा गुलिविनदालू	आनायजाल, क्लोमजाल
28	बुल्लस ऐ	*प्रियाक्यांतस हामरुर*	बोचुलु	आनायजाल
29	सूत्रपख	*पोलिनिमस जाति*	मागलु	आनायजाल, क्लोमजाल
30	सिलवर बिड्डि	*पेनटाप्रियोन लांजीमेनस*	कराना गव्वालु	आनायजाल
31	ग्रूपर	*एपिनेफिलस जाति*	बोंतुलु	आनायजाल, क्लोमजाल
32	ग्रनटर	*पोमाडासिस हास्ता*	गोरका	आनायजाल, क्लोमजाल

सं.	सधारन नाम	तकनीकी नाम	तेलुगु नाम	संभारों
33	ग्रन्टर	*पोमाडासिस मेक्यूलेटा*	गोरका	आनायजाल, क्लोमजाल
34	क्राकेर्स	*जोनियस कारूट*	गोरसलु	आनायजाल, क्लोमजाल
35	क्राकेर्स	*कताला एक्सिलेरिस*	गोरसलु	आनायजाल, क्लोमजाल
36	बिग ऐ क्राकेस	*पेत्राहिया माक्रोप्थालमस*	गोरसलु	आनायजाल, क्लोमजाल
37	ब्लॉच्ड क्राकेर्स	*निबिया माक्युलेट*	गोरसलु	आनायजाल, क्लोमजाल
38	टैगर टूल्ड क्राकेर्स	*ओटोलितस रुबर*	गोरसलु	आनायजाल, क्लोमजाल
39	मुल्लन	*लियोग्नतस बिंदस*	कारलू	आनायजाल, क्लोमजाल
40	मुल्लन	*लियोग्नतस इक्युलस*	कारलू	आनाय जाल
41	मुल्लन	*गाजा मैन्यूटा*	कारलू	आनायजाल, क्लोमजाल
42	मुल्लन	*सेक्युटर इन्सिडेटर*	कारलू	आनायजाल, क्लोमजाल
43	वइट पाम्फ्रेट	*पाम्पस अर्जेन्टियस*	चंदुआ	आनायजाल, क्लोमजाल
44	चैनीस पाम्फ्रेट	*पी.चाइनेन्सिस*	चंदुआ	आनाय जाल, क्लोमजाल
45	ब्लाक पाम्फ्रेट	*पेरास्ट्रोमटियस नैगर*	नल्ला चंदुआ	आनायजाल, क्लोमजाल
46	इंडियन स्पैनि टर्बोट	*सेटोडस एरुमै*	अदलम	आनायजाल
47	श्वेतबेटों	*स्टोलिफोरस डेविसी*	नेत्तलु	आनायजाल,सीन, क्लोमजाल
48	टंग सोल	*सैनोग्लोस्स जाति*	थंबारोट्टे	आनायजाल
49	ईलीशा	*इलिशा फिलिजेरा*	पुलासा	आनायजाल, क्लोमजाल
50	स्नापर्स	*लुटज्नेस जाति*	वेंपल्ली	आनायजाल, कांटा डोर
51	टोरपिडो स्केड	*मेगलेस्पिस कोरडैला*	बोकोदुग्गु	आनायजाल,कांटाडोर, क्लोमजाल
52	ट्रेवल्ली	*केरॉक्स जाति*	पारलू	आनायजाल,कांटा डोर
53	फीतामीन	*ट्राइक्यूरस लेप्ट्यूरस*	चावल्लु	आनायजाल, सीन
54	इंडियन ड्रिफ्ट फिश	*एरियोमा इंडिका*	मीता पारलू	आनायजाल
55	फॉल्स ट्रेवल्ली	*लॉक्टेरियस लॉक्टेरियस*	सुड्डमुलु	आनायजाल
56	बांगडा	*रास्ट्रेलिगर कनागुर्ता*	कनागुर्ता	आनायजाल,क्लोमजाल, सीन
57	सुरमई	*स्काम्बेरोमोरस कम्मेर्सोनी*	कोनेम	कांटा डोर, सीन
58	सुरमई	*स्काम्बेरोमोरस गटेट्स*	वंजीरम	आनायजाल,क्लोमजाल,कांटा डोर
59	बारामुन्नडी	*लेटस क्यालकेरिफर*	पंडुगोप्पा	कांटा डोर, क्लोमजाल
60	बाराकुडा	*स्फैरेना जाति*	सीलापोतु	आनाय जाल
61	लिट्टल ट्यूना	*यूथिन्नस एफिनिस*	सूरा	कांटा डोर, क्लोमजाल
62	येलोफिन ट्यूना	*थुन्नस एलबाकेर्स*	पसुपुरेका सूरा	कांटा डोर, क्लोमजाल
63	स्किपजाक ट्यूना	*कट्सुओनस पेलामिस*	नामला सूरा	कांटा डोर, क्लोमजाल
64	सेलफिश	*इस्टियोफोरस प्लाटिपटिरस*	नेमलिपुरी कोनेम	कांटा डोर, क्लोमजाल
65	मॉर्लीन	*मेकैरा इंडिका*	कोम्मु कोनेम	कांटा डोर, क्लोमजाल